भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नागपुर
INDIAN INSTITUTE OF INFORMATION TECHNOLOGY, NAGPUR
"An Institution of National Importance by an Act of Parliament"
Website: www.iiitn.ac.in Email: director@iiitn.ac.in, registrar@iiitn.ac.in Phone: 9405215010

PRESS RELEASE
Date: 13/2/2026

English

IIIT Nagpur's ICC Hosts Awareness Session on "Safe Campus, Safe Workplace: Understanding the POSH Act"

The Internal Complaints Committee (ICC) of the Indian Institute of Information Technology (IIIT) Nagpur successfully organized a session titled "Safe Campus, Safe Workplace: Understanding the POSH Act" aimed to foster a respectful, inclusive, and empathetic environment across the campus.

The session featured esteemed speakers who brought valuable insights to the discussion **Dr. Deesha Khaire**, Associate Professor of Law at MNLU Nagpur, delivered an engaging talk on the legal framework of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 (POSH Act), highlighting the rights, responsibilities, and redressal mechanisms under the Act. She emphasized the importance of awareness, sensitization, and proactive institutional measures to ensure a safe and secure academic and professional environment.

The program was conducted under the guidance of **Prof. (Dr.) Prem Lal Patel, Director, IIIT Nagpur**, with valuable support from **Shri Kailas N. Dakhale, In-charge Registrar**. The event received significant encouragement from the Associate Deans: Dr. Tausif Diwan (Academic), Dr. Aatish Daryapurkar (Planning & Development), and Dr. Rashmi Pandhare (Research & Development) along with the Heads of Departments: Dr. Nishat Ansari (CSE), Dr. Harsh Goud (ECE), and Dr. Prasad Joshi (BS).

The felicitation ceremony led by Dr. Vrinda Yadav (ICC Member) and Dr. Shankar Bhattacharjee (Event Coordinator and ICC Member) who extended a warm expression of gratitude to the distinguished speaker under the chairpersonship of Dr. Kirti Dorshetwar (Presiding Officer) Internal Complaints Committee.

The success of the event was made possible through the dedicated efforts of ICC members Dr. Amit Shewale and Ms. Reema N. Dongardive, with student representatives Mr. Sandesh Charhate, Ms. Saloni Dadave, and Ms. Diya Das.The commitment of the administrative staff and the enthusiastic participation of the students further contributed to making the session a resounding success.The session reaffirmed IIIT Nagpur's dedication to cultivating a safe and empowering academic environment for all.

Hindi

आईआईआईटी नागपुर की आईसीसी द्वारा "सुरक्षित परिसर, सुरक्षित कार्यस्थल: पॉश अधिनियम की समझ" विषय पर जागरूकता सत्र आयोजित

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) नागपुर की आंतरिक शिकायत समिति (ICC) द्वारा "सुरक्षित परिसर, सुरक्षित कार्यस्थल: पॉश अधिनियम की समझ" विषय पर एक सफल जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य परिसर में सम्मानजनक, समावेशी एवं संवेदनशील वातावरण को प्रोत्साहित करना था।

सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में एमएनएलयू नागपुर की विधि विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर **डॉ. दिशा खैरे** उपस्थित रहीं। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पॉश अधिनियम) के विधिक ढांचे पर विस्तृत एवं प्रभावशाली व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने अधिनियम के अंतर्गत अधिकारों, कर्तव्यों तथा शिकायत निवारण तंत्र पर प्रकाश डाला तथा सुरक्षित एवं संरक्षित

शैक्षणिक और व्यावसायिक वातावरण सुनिश्चित करने हेतु जागरूकता, संवेदनशीलता और सक्रिय संस्थागत उपायों के महत्व पर बल दिया।

यह कार्यक्रम संस्थान के **निदेशक प्रो. (डॉ.) प्रेम लाल पटेल** के मार्गदर्शन में तथा **प्रभारी कुलसचिव श्री कैलास एन. डाखले** के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम को एसोसिएट डीन : डॉ. तौसीफ दीवान (शैक्षणिक), डॉ. आतिश दर्यापुरकर (योजना एवं विकास) और डॉ. रश्मि पांढरे (अनुसंधान एवं विकास) तथा विभागाध्यक्षों : डॉ. निशात अंसारी (सीएसई), डॉ. हर्ष गौड़ (ईसीई) और डॉ. प्रसाद जोशी (मूल विज्ञान) का महत्वपूर्ण सहयोग एवं प्रोत्साहन प्राप्त हुआ।

सम्मान समारोह का संचालन आईसीसी सदस्य डॉ. वृंदा यादव और कार्यक्रम संयोजक एवं आईसीसी सदस्य डॉ. शंकर भट्टाचार्य द्वारा किया गया। उन्होंने आईसीसी की अध्यक्ष डॉ. कीर्ति दोरशेटवार की अध्यक्षता में मुख्य वक्ता के प्रति आभार एवं सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम की सफलता आईसीसी सदस्य डॉ. अमित शेवाले एवं कु. रीमा एन. डोंगरदिवे के समर्पित प्रयासों तथा छात्र प्रतिनिधियों श्री संदेश चरहाटे, कु. सलोनी दादवे एवं कु. दिया दास के सहयोग से संभव हो सकी।

प्रशासनिक कर्मचारियों की प्रतिबद्धता एवं विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने भी इस सत्र को अत्यंत सफल बनाया।

यह सत्र आईआईआईटी नागपुर की सुरक्षित, सशक्त एवं समावेशी शैक्षणिक वातावरण के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करता है।

Marathi

आयआयआयटी नागपूरच्या आयसीसी तर्फे “सुरक्षित परिसर, सुरक्षित कार्यस्थळ: पॉश कायद्याची समज” या विषयावर जनजागृती सत्र आयोजित

भारतीय माहिती तंत्रज्ञान संस्था (आयआयआयटी) नागपूरच्या अंतर्गत तक्रार निवारण समिती (ICC) तर्फे “सुरक्षित परिसर, सुरक्षित कार्यस्थळ: पॉश कायद्याची समज” या विषयावर यशस्वी जनजागृती सत्राचे आयोजन करण्यात आले. या सत्राचा उद्देश संस्थेच्या परिसरात सन्मानपूर्ण, सर्वसमावेशक आणि संवेदनशील वातावरणाला प्रोत्साहन देणे हा होता.

या सत्रासाठी एमएनएलयू नागपूर येथील विधी विभागाच्या सहयोगी प्राध्यापिका **डॉ. दिशा खैरे** या प्रमुख वक्त्या म्हणून उपस्थित होत्या. त्यांनी कार्यस्थळी महिलांच्या लैंगिक छळ प्रतिबंध, मनाई व निवारण अधिनियम, २०१३ (पॉश कायदा) याच्या कायदेशीर चौकटीवर सविस्तर आणि प्रभावी मार्गदर्शन केले. आपल्या व्याख्यानात त्यांनी या कायद्याअंतर्गत असलेले अधिकार, कर्तव्ये तसेच तक्रार निवारण यंत्रणेची माहिती दिली. सुरक्षित आणि संरक्षित शैक्षणिक व व्यावसायिक वातावरण निर्मितीसाठी जनजागृती, संवेदनशीलता आणि संस्थात्मक पातळीवरील सक्रिय उपाययोजनांचे महत्त्व त्यांनी अधोरेखित केले.

हा कार्यक्रम **संस्थेचे संचालक प्रा. (डॉ.) प्रेमलाल पटेल** यांच्या मार्गदर्शनाखाली तसेच **प्रभारी कुलसचिव श्री कैलास एन. डाखले** यांच्या सहकार्याने आयोजित करण्यात आला. कार्यक्रमास सहयोगी अधिष्ठाता — डॉ. तौसीफ दिवाण (शैक्षणिक), डॉ. आतिश दर्यापूरकर (नियोजन व विकास) आणि डॉ. रश्मी पांढरे (संशोधन व विकास) — तसेच विभागप्रमुख — डॉ. निशात अन्सारी (सीएसई), डॉ. हर्ष गौड (ईसीई) आणि डॉ. प्रसाद जोशी (मूलभूत विज्ञान) — यांचे मोलाचे सहकार्य व प्रोत्साहन लाभले.

सत्कार समारंभाचे संचालन आयसीसी सदस्या डॉ. वृंदा यादव आणि कार्यक्रम संयोजक व आयसीसी सदस्य डॉ. शंकर भट्टाचार्य यांनी केले. आयसीसी अध्यक्षा डॉ. कीर्ती दोरशेटवार यांच्या अध्यक्षतेखाली प्रमुख वक्त्यांचे आभार मानून त्यांचा सन्मान करण्यात आला.

कार्यक्रमाच्या यशस्वीतेसाठी आयसीसी सदस्य डॉ. अमित शेवाळे आणि कु. रीमा एन. डोंगरदिवे यांचे समर्पित प्रयत्न तसेच विद्यार्थी प्रतिनिधी श्री संदेश चरहाटे, कु. सलोनी दादवे आणि कु. दिया दास यांचे सहकार्य मोलाचे ठरले. प्रशासकीय कर्मचाऱ्यांची बांधिलकी आणि विद्यार्थ्यांचा उत्स्फूर्त सहभाग यामुळे हे सत्र अत्यंत यशस्वी ठरले.

या सत्राद्वारे आयआयआयटी नागपूरने सुरक्षित, सक्षम आणि सर्वसमावेशक शैक्षणिक वातावरण निर्माण करण्याच्या आपल्या बांधिलकीची पुनःप्रत्यय दिला आहे.

Press, Electronic Media &
Social Media Team,
IIIT Nagpur

press@iiitn.ac.in